

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ।  
अपने सेवक जन की,  
सुख सम्पति दाता ॥जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सुन्दर चीर सुनहरी,  
मां धारण कीन्हो ।  
हीरा पन्ना दमके,  
तन श्रृंगार लीन्हो ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गेरू लाल छटा छबि,  
बदन कमल सोहे ।  
मंद हंसत करुणामयी,  
त्रिभुवन जन मोहे ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

स्वर्ण सिंहासन बैठी,  
चंवर दुरे प्यारे ।  
धूप, दीप, मधु, मेवा,  
भोज धरे न्यारे ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

गुड़ अरु चना परम प्रिय,  
तामें संतोष कियो ।  
संतोषी कहलाई,  
भक्तन वैभव दियो ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

शुक्रवार प्रिय मानत,  
आज दिवस सोही ।  
भक्त मंडली छाई,  
कथा सुनत मोही ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

मंदिर जग मग ज्योति,  
मंगल ध्वनि छाई ।  
विनय करें हम सेवक,  
चरनन सिर नाई ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

भक्ति भावमय पूजा,  
अंगीकृत कीजै ।  
जो मन बसे हमारे,  
इच्छित फल दीजै ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

दुखी दारिद्री रोगी,  
संकट मुक्त किए ।  
बहु धन धान्य भरे घर,  
सुख सौभाग्य दिए ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

ध्यान धरे जो तेरा,  
वांछित फल पायो ।  
पूजा कथा श्रवण कर,  
घर आनन्द आयो ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

चरण गहे की लज्जा,  
रखियो जगदम्बे ।  
संकट तू ही निवारे,  
दयामयी अम्बे ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ॥

सन्तोषी माता की आरती,  
जो कोई जन गावे ।  
रिद्धि सिद्धि सुख सम्पति,  
जी भर के पावे ॥

जय सन्तोषी माता,  
मैया जय सन्तोषी माता ।  
अपने सेवक जन की,  
सुख सम्पति दाता ॥

HINDUBHAKTI.IN